शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग

संस्कृत विभाग

पूजा पद्धति एवं संस्कार प्रशिक्षण

प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम

सत्र – 2022–23

प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम

संस्कृत विभाग

संस्कृत अध्ययन मंडल

सत्र – 2022–23

पूजा पद्धति एवं संस्कार प्रशिक्षण

सैद्धांतिक I :

प्रश्न पत्र I	विषय –	दैनिक क्रिया, यज्ञविधि	पूर्णांक – 100
प्रश्न पत्र II	विषय –	कर्मकाण्ड एवं पूजा पद्धति	पूर्णांक – 100

प्रायोगिक II :

पेपर I	विषय –	हवन एवं सभी पूजनविधि	पूर्णांक – 50

नाम एवं हस्ताक्षर

अध्यक्ष – श्री जनेन्द्र कुमार दीवान	अन्य विभागीय सदस्य
विषय विशेषज्ञ – डॉ. दिव्या देशपाण्डेय	1. प्रो. थानसिंह वर्मा –
विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुमन बघेल	2. छात्र प्रतिनिधि – मनीष कुमार वर्मा
विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुषमा तिवारी	3.उद्योग जगत से – सुश्री उपमा ठाकुर Thakur

सत्र – 2022–23

पूजा पद्धति एवं संस्कार प्रशिक्षण

पाठ्यक्रम उद्देश्य –

- इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं धर्म की जानकारी प्रदान करना।
- हिन्दू धर्म की परम्परा एवं कर्मकाण्डो का ज्ञान प्रदान करना।
- भारतीय पर्व एवं संस्कारों की जानकारी प्रदान करना।

परिचय –

यह पाठ्यक्रम भारतीय धर्म और संस्कृति में पूजा पद्धति के सम्यक ज्ञान के लिए तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी भारतीय संस्कृति और परंपराओं को अच्छी तरह से जानकर उनका पालन कर पाएंगे। विभिन्न भारतीय परंपराओं और संस्कारों के अवसर पर विद्यार्थी पौरोहित्य कार्य कर सकेंगे।

यह पाठ्यक्रम दैनिक जीवन में प्रयुक्त होने वाले मंत्र, प्रक्रिया और विशेष अवसर पर प्रयुक्त होने वाले वैदिक आयोजनों के विषय में जानकारी प्रदान करेगा।

पाठ्यक्रम विवरण –

- यह पाठ्यक्रम कोई भी 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्र विषय के रूप में पढ़ सकता है।
- पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन योजना निम्नानुसार होगी।
- अध्ययन मण्डल के सदस्यों द्वारा सत्र 2022–23 के प्रमाण पत्रीय पाठ्यक्रम अनुमोदन हेतु।
- यह पाठ्यक्रम छः माह का होगा जिसमें विद्यार्थी विद्यार्थी को पाठ्यक्रम के पश्चात् परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।
    - पाठ्यक्रम अवधि – न्यूनतम अवधि छः माह
अधिकतम अवधि एक वर्ष
    - माध्यम – संस्कृत/हिन्दी
    - अधिकतम आयु सीमा –

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन –

- प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन खण्डों अ, ब, स में विभाजित होगा।

- खण्ड अ में अति लघुउत्तरीय प्रश्न एक या दो वाक्यों में उत्तर या वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे, बहुविकल्पीय प्रश्न नहीं होंगे, रिक्त स्थानों की पूर्ति करों जैसे प्रश्न भी नहीं होंगे।
- खण्ड ब में लघुउत्तरीय प्रश्न होंगे जिनका उत्तर 150 शब्दों में देना होगा।
- खण्ड स में दीर्घउत्तरीय/निबंधात्मक प्रश्न होंगे। विद्यार्थियों को अधिकतम 350 शब्दों में सटीक उत्तर लिखना होगा।
- प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन निम्नानुसार होगा।

प्रश्न के प्रकार	पूर्णांक 100 अंक X प्रश्नों की संख्या
क. अति लघुउत्तरीय प्रश्न	2X10=20
ख. लघुउत्तरीय प्रश्न	8X5=40
ग. दीर्घउत्तरीय प्रश्न	10X4=40
	कुल 100

सत्र – 2022–23
प्रथम प्रश्न पत्र
दैनिक क्रिया, यज्ञविधि

इकाई 1

1. नित्यकर्म विधि व मंत्र – प्रातः जागरण कालीन मंत्र, स्नान मंत्र, भोजन मंत्र

इकाई 2

2. सन्ध्या – संध्योपासन (ब्रह्मयज्ञ)

इकाई 3

3. स्वस्ति वाचन – स्वस्ति वाचन के प्रमुख मंत्र

इकाई 4

4. हवन विधि–अग्निहोत्रम् (देवयज्ञ)

1. ईश्वर स्तुति, देवावाहन अग्निस्थापन, समिधाधान
2. पूजनोपचार ज्ञान
3. पञ्चांग देवपूजन पद्धति

इकाई 5

5. षोडश संस्कार सामान्य ज्ञान –

(1) गर्भाधान संस्कार, (2) पुंसवन संस्कार, (3) सीमन्तोन्नयन संस्कार, (4) जातकर्म संस्कार, (5) नामकरण संस्कार, (6) निष्क्रमण संस्कार, (7) अन्नप्राशन संस्कार, (8) मुंडन संस्कार, (9) कर्णवेधन संस्कार, (10) विद्यारंभ संस्कार, (11) उपनयन संस्कार, (12) वेदारंभ संस्कार, (13) केशांत संस्कार, (14) सम्वर्तन संस्कार, (15) विवाह संस्कार और (16) अन्त्येष्टि संस्कार।
भारतीय संस्कृति में सभी सोलह संस्कार का सामान्य ज्ञान

संदर्भ ग्रन्थ –

निर्धारितपाठ्यपुस्तकें, ब्रह्मवर्चस विधि, संस्कार विधि, कर्मकांड भास्कर, स्तोत्र मंजूषा, कुशकंडिका, कर्मकांड प्रबोध, नित्यकर्म पूजा प्रकाश।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी
- भारतीय संस्कृति एवम धर्म के विषय में जान पाएंगे।
- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय संस्कारों के विषय में जान सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से वे सनातन धर्म के कर्मकांड कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी वैदिक मंत्रों का उच्चारण सही तरीके से कर पाएंगे।

Thakur

- इस पाठ्यक्रम से छात्रों को भारतीय पर्व एवं त्यौहारों के महत्त्व के विषय में जान पाएंगे।

नाम एवं हस्ताक्षर

अध्यक्ष – श्री जनेन्द्र कुमार दीवान विषय विशेषज्ञ – डॉ. दिव्या देशपाण्डेय विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुमन बघेल विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुषमा तिवारी	अन्य विभागीय सदस्य 1. प्रो. थानसिंह वर्मा 2. छात्र प्रतिनिधि – मनीष कुमार वर्मा 3.उद्योग जगत से – सुश्री उपमा ठाकुर Thakur

सत्र – 2022–23

द्वितीय प्रश्न पत्र

कर्मकाण्ड एवं पूजा पद्धति

इकाई 1

1. विवाह एवं उपनयन संस्कार विधि

इकाई 2

2. सभी कार्यों की संकल्प योजना

इकाई 3

3. गृह प्रवेश, गृहारंभ विधि

इकाई 4

4. गणेश पूजा एवं गणेश स्थापना एवं विर्सजन

इकाई 5

5. पंचांग ज्ञान – सभी भारतीय त्यौहारों एवं तिथियों की जानकारी

संदर्भ ग्रन्थ –

निर्धारितपाठ्यपुस्तकें, ब्रह्मवर्चस विधि, संस्कार विधि, कर्मकांड भास्कर, स्तोत्र मंजूषा, कुशकंडिका, कर्मकांड प्रबोध, नित्यकर्म पूजा प्रकाश।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी
- भारतीय संस्कृति एवम धर्म के विषय में जान पाएंगे।
- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय संस्कारों के विषय में जान सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से वे सनातन धर्म के कर्मकांड कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी वैदिक मंत्रों का उच्चारण सही तरीके से कर पाएंगे।
- इस पाठ्यक्रम से छात्रों को भारतीय पर्व एवं त्यौहारों के महत्त्व के विषय में जान पाएंगे।

नाम एवं हस्ताक्षर

अध्यक्ष – श्री जनेन्द्र कुमार दीवान	अन्य विभागीय सदस्य
विषय विशेषज्ञ – डॉ. दिव्या देशपाण्डेय	1. प्रो. थानसिंह वर्मा –
विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुमन बघेल	2. छात्र प्रतिनिधि – मनीष कुमार वर्मा
विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुषमा तिवारी	3.उद्योग जगत से – सुश्री उपमा ठाकुर Uthakur